डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.

10 दिसंबर 2020

शोक संदेश

हिंदी कविता के सशक्त कवियों में एक आदरणीय मंगलेश डबराल की अपनी एक स्पष्ट आवाज और विनम्र काव्यभाषा थी, जिसकी वजह से उनकी वैश्विक स्तर पर पहचान थी।

वे पिछले कुछ दिनों से कोरोना से संक्रमित थे। 9 दिसम्बर 2020 को उनका देहावसान हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत अत्यंत दुखी है।

टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के काफलपानी गाँव में जन्मे मंगलेश जी की शिक्षा–दीक्षा देहरादून में हुई थी। दिल्ली आकर 'हिन्दी पैट्रियट', 'प्रतिपक्ष' और 'आसपास' में काम करने के बाद वह भोपाल में मध्यप्रदेश कला परिषद्, भारत भवन से प्रकाशित साहित्यिक त्रैमासिक 'पूर्वाग्रह' में सहायक संपादक रहे थे। इलाहाबाद और लखनऊ से प्रकाशित 'अमृत प्रभात' में भी उन्होंने कुछ दिन नौकरी की थी। कुछ दिन 'जनसत्ता' में साहित्य संपादक और कुछ समय 'सहारा समय' में संपादन कार्य करने के बाद वह नेशनल बुक ट्रस्ट से जुड़े रहे थे।

मंगलेश डबराल के पाँच काव्य संग्रह प्रकाशित हैं– 'पहाड़ पर लालटेन', 'घर का रास्ता', 'हम जो देखते हैं', 'आवाज भी एक जगह है' और 'नये युग में शत्रु'। इसके अलावा दो गद्य संग्रह 'लेखक की रोटी' और 'कवि का अकेलापन' के साथ ही एक यात्रावृत्त 'एक बार आयोवा' भी प्रकाशित हो चुके हैं।

दिल्ली हिन्दी अकादमी के 'साहित्यकार सम्मान, कुमार विकल स्मृति पुरस्कार और अपने कविता संग्रह 'हम जो देखते हैं' के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा सन् 2000 में 'साहित्य अकादेमी पुरस्कार' से सम्मानित मंगलेश डबराल की ख्याति अनुवादक के रूप में भी रही है। मंगलेश जी की कविताओं के भारतीय भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी, रूसी, जर्मन, डच, स्पेनिश, पुर्तगाली, इतालवी, फ्राँसीसी, पोलिश और बुल्गारियाई आदि भाषाओं में भी अनुवाद प्रकाशित हो चुके हैं। कविता के अतिरिक्त वे साहित्य, सिनेमा, संचार माध्यम और संस्कृति के विषयों पर नियमित लेखन भी करते रहे हैं।

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित विश्व कविता उत्सव में शामिल हुए कवियों की कविताओं की पुस्तक 'सबद' का संपादन उन्होंने ही किया था। मंगलेश डबराल जी के निधन से भारतीय साहित्य को बड़ी क्षति पहुँची है।

साहित्य अकादेमी, मंगलेश डबराल जी के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है और दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करती है।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in